

2. रेह 3. नोनी मिट्टी 4. ऊसर भूमि 5. बंजर उदा. (लोकोक्ति) "कल्लर खेत रहे जिस पास, वाके होय नाज न घास"।

कल्लाँच वि. (तुर्की.) वि. 1. गुंडा, लुच्चा, बदमाश 2. निर्धन, दरिद्र, कंगाल।

कल्ला पुं. (तुर्की.) (तत्.-कलंब) 1. पौधे का डंठल 2. हरी और नई निकली हुई टहनी 3. अंकुर, कलफा, गोंफा उदा. आज इस पौधे में नया कल्ला फूटने लगा है 2. पुं. (फा.) कल्ल: 1. पशुओं का सिर 2. लैंप का सिरा 3. जबड़ा (मुख के अंदर का एक अंग) 4. जबड़ों से नीचे गले तक का स्थान, स्वर मुहा. कल्ला चलाना, बोलना-भोजन आदि खाना; कल्ला दबाना- बोलने से रोकना; 3. कल्ला मारना- डींग हाँकना/मारना।

कल्लाना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी अंग या त्वचा में जलननुमा ज्यादा पीड़ा होना 2. त्वचा का दुखते-रहना उदा. आज मेरे माथे में चोट लग गयी जिससे वह बहुत कल्ला रहा है।

कल्लू वि. (देश.) (काला) 'काले रंग का' या 'काला' काले रंग वाला 2. पुं. काले रंग वाला व्यक्ति।

कल्लोल पुं. (तत्.) 1. पानी की तरंग, लहर 2. क्रीड़ा 3. आमोद-प्रमोद 4. मन की लहर या तरंग।

कल्लोलिनी वि. (तत्.) 1. क्रीड़ा करने वाली 2. तरंगों या लहरों वाली, तरंगवती, तरंगिनी 3. स्त्री. 'नदी'।

कल्लोलिनी वल्लभ पुं. (तत्.) नदी का स्वामी, समुद्र, सागर।

कल्लहक पुं. (तद्.) कलहंस, कबूतर के आकार का लाल रंग का, एक पक्षी विशेष।

कल्लहर पुं. (देश.) दे. कल्लर।

कल्लहरना अ.क्रि. (देश.) पकाने या तलने के कड़ाही आदि पात्र में थोड़ा घी या तेल डालकर तला या पकाया जाना।

कल्लहार स्त्री. (देश.) 1. कल्लहारने की क्रिया, भाव या तरीका 2. पुं. (तद्.) सफेद कमल।

कल्लहारना अ.क्रि. (देश.) 1. कोलाहल या शोर करना, चिल्लाना 2. कराहना, पीड़ा से अस्पष्ट

शब्द करना स.क्रि. (तद्.) कड़ाही आदि पात्र में घी/तेल डालकर तलना, पकाना।

कल्लू क्रि.वि. (देश.) 'कल' 1. अगला दिन 2. बीता हुआ दिन।

कवक पुं. (तत्.) 1. कौर, ग्रास, निवाला 2. एक प्रकार का एककोशीय पौधा, कुरुरमुत्ता 3. फफूंद।

कवक पुं. (तत्.) चक्रवाक पक्षी (चकवा-चकवी का जोड़ा रात को बिछुड़ जाता है और सूर्योदय होते ही मिल जाता है)।

कवकजाल पुं. (तत्.) एक कोशीय पौधों के तंतुओं का समूह।

कवकतंतु पुं. (तत्.) कवकजाल की एक शाखा।

कवकनाशी पुं. (तत्.) एक यौगिक जो कवकों पर विषैला प्रभाव करता है (छोड़ता है)।

कवकरोधी वि. (तत्.) एक यौगिक विशेष जो कवक को मारे बिना रस की वृद्धि को रोकता है।

कवक विज्ञान पुं. (तत्.) 1. कवकों का अध्ययन करने वाली वनस्पति विज्ञान की एक शाखा।

कवच पुं. (तत्.) 1. योद्धाओं द्वारा युद्ध के समय शरीर पर पहने जाने वाला लोहे की कड़ियों का जालनुमा पहनावा 2. बाहरी आघातों को रोकने या उनसे रक्षा करने वाला आवरण 3. तनुत्र, जिरह-बख्तर, संनाह 4. आवरण 5. तंत्रशास्त्र की एक शाखा या अंग जिसमें मंत्रों द्वारा शरीर के अंगों की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाती है 6. रक्षा मंत्र, लिखा हुआ ताबीज 7. बड़ा नगाड़ा, पटह, डंका 8. जहाज तथा गाड़ियों की रक्षा के लिए लगी हुई लोहे की मोटी चादर।

कवचधारी वि. (तत्.) 1. कवच पहना हुआ 2. जिसने कवच धारण किया हुआ हो।

कवच-पत्र पुं. (तत्.) (तंत्र.) कवच मंत्र आदि लिखने के लिए प्रयुक्त भोज-पत्र।

कवचित वि. (तत्.) कवच से युक्त जैसे- 'कवचित वक्ष, कवचित टैंक।